सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
मार्च, 2019
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/3/1
29/3/2
29/3/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
				खंड – 'क'	
1.	1.	1.	1.	**अपठित गद्यांष के प्रष्नों के उत्तर–**	**11**
	क.	क.	क.	• 60–65 वर्ष व्यतीत कर चुके नागरिक; जब बच्चे पढ़–लिखकर रोज़गार हेतु माता–पिता से दूर चले जाते हैं।	2
	ख.	ख.	ख.	• उनके साथ समय व्यतीत करने से • मनोरंजन के साधन तथा बातचीत हेतु मित्र की उपलब्धता।	2
	ग	ग	ग	• वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदना का भाव • माता–पिता के साथ अधिकाधिक समय व्यतीत करने का प्रयास(अन्य उचित तर्क भी स्वीकार्य)	2
	घ	घ	घ	• वृद्धाश्रम की व्यवस्था • वरिष्ठ नागरिकों के लिए यथासंभव अनुकूल वातावरण तथा सुविधा उपलब्ध करवाना। (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)	2
	ङ	ङ	ङ	• देष,समाज और परिवार को सँवारने वाली पीढी को असहाय/अकेला छोड़ देना • उनके योगदान को नकारा नहीं जा सकता।	2
	च	च	च	ष्षीर्षक–'वरिष्ठ नागरिक एवं उनकी समस्याएँ (अन्य उपयुक्त षीर्षक भी स्वीकार्य)	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
2.	2.	2.	2.	अपठित काव्यांष	1×5=5
	क	क	क	• चना • पगड़ी बाँधकर सज–धजकर तैयार	1
	ख	ख	ख	• दुबली–पतली,लचीली कमरवाली,नीले फूल को सिर पर सजाए खड़ी है।	1
	ग	ग	ग	• सरसों का विवाह	1
	घ	घ	घ	• काव्यांष से किसी एक का उदाहरण–स्पष्टीकरण अपेक्षित। (चना,अलसी,सरसों में से किसी एक का मानवीकरण)	1
	ङ	ङ	ङ	• ष्षहर की भीड़भाड़ से दूर, • सुनसान प्रकृति के बीच प्रेम का विस्तार।	1
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**		
	2.	2.	2.		
	क	क	क	• प्रेम के सहारे की सुंदरता	1
	ख	ख	ख	• सुंदरता,कोमलता एवं क्षणभंगुरता के कारण।	1
	ग	ग	ग	• प्रष्न चिह्नों से • अनिष्चितता के कारण।	½+½
	घ	घ	घ	• दया और सहानुभूति के भाव उत्पन्न करना	1
	ङ	ङ	ङ	• जीवन–संघर्ष में सहारे की उम्मीद।	1

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
3.	3.	3.	3.	**खण्ड 'ख'** **निबंध–लेखन** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु 4 • भाषा एवं प्रस्तुति 1+1	8
4.	4.	4.	4.	**<u>पत्र–लेखन</u>** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 • विषय–वस्तु 3 • भाषा 1	5
5.	5. क	–	–	किन्हीं चार प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित • अखबारों को वैचारिक रुझान से पहचान दिलाने में भूमिका	1
	ख			• विचारपरक सामग्री का प्रकाषन	1
	ग			• किसी खास विषय पर सामान्य से हटकर लिखा जाने वाला लेख	1
	घ			• संवाददाता द्वारा भेजी गई खबरों की सत्यता, निष्पक्षता की जाँच कर अषुद्धियों को दूर कर प्रकाषन योग्य बनाने वाले 'संपादकीय–मंडल' को 'द्वारपाल' कहते हैं।	1
	ङ			• किसी समाचार संगठन में नियमित वेतनभोगी–पूर्णकालिक पत्रकार।	1
				• सहज–सरल • आम बोलचाल की भाषा • कठिन षब्दों एवं संक्षिप्ताक्षरों का प्रयोग नहीं	1
		5 क		• स्थायित्व और विष्वसनीयता	1
		ख		• षिक्षित करना/सूचना देना/मनोरंजन प्रदान करना	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 3 / 1	29 / 3 / 2	29 / 3 / 3		
				आदि।	
		ग		• रेडियो–श्रव्य–माध्यम, आम आदमी तक पहुँच टेलीविज़न–श्रव्य–दृष्य माध्यम, सीमित लोगों तक पहुँच	1
		घ		• समाचार वह समसामयिक सूचना है, जिसे जानने के लिए लोग उत्सुक रहते हैं।	1
		ङ		• किसी विषेष निर्धारित क्षेत्र से संबधित जानकारी दी जाती है–'बीट रिर्पोर्टिग'।	1
				• सामान्य समाचारों से अलग गहरी छान–बीन, विष्लेषण और व्याख्या के आधार पर प्रकाषित समाचार 'विषेषीकृत रिपोर्टिंग'	
			5 क	• संपादकीय–लेखन • सूचना से अषुद्धियों को दूर करके छपने योग्य बनाना।	1
			ख	• सूचना उपलब्ध कराना • षिक्षित करना • विचार–विमर्ष (किन्हीं दो का उल्लेख)	1
			ग	• छिपे कैमरे द्वारा किसी बड़े भ्रष्टचार या घोटाले का पर्दाफ़ाष • सरकारी / गैर–सरकारी संस्थाओं पर नज़र रखना।	1
			घ	• मुद्रित' अर्थात् छापकर सूचनाओं को प्रसारित करना • समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें	1
			ड.	• सामाजिक गतिविधियों का दर्पण • मानवीय गुणों को विकसित करना	1

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 3 / 1	29 / 3 / 2	29 / 3 / 3		
6.	6.	6.	6.	**आलेख – लेखन** विषय – वस्तु 2 प्रस्तुति / भाषा 1 अथवा **फीचर –लेखन** विषय – वस्तु 2 प्रस्तुति / भाषा 1	3
7.	7.	7.	7.	**<u>खण्ड–'ग'</u>** काव्यांष की सप्रसंग व्याख्या • संदर्भ और प्रसंग 1 • व्याख्या 4 • विषेष 1 लघु सुरधन–से.....जहाँ किनारा कवि; जयषंकर प्रसाद कविता; कार्नेलिया का गीत प्रसंग; भारत के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक सौंदर्य का वर्णन। व्याख्या बिंदु; • भारतवर्ष के प्रति गौरव गाथा • भारत की प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विषेषताओं का वर्णन • विदेषी पक्षी भी अपने प्यारे घोंसले की कल्पना करते हुए भारतवर्ष की ओर रुख करते हैं।(इसे अपना ही घर मानते हैं) • अनंत से आते हुए विषाल समुद्र को भी यहाँ आकर किनारा मिलता है। विषेष–(कोई दो) • छायावादी कविता	3 6

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
			.	• तत्सम प्रधान भाषा • गेयता का गुण • अनुप्रास, उपमा, रूपक अलंकार **अथवा** कंत कहाँ हौं .....बिछोही पँखी।। कवि; मलिक मुहम्मद जायसी कविता; बारहमासा (पद्मावत) प्रसंग; नागमती की विरह–अवस्था का वर्णन व्याख्या–बिंदुः • ष्षीत ऋतु में नायिका का विरह पराकाष्ठा पर • प्रिय को हृदय से लगाने की चाह • ठंड को दूर करने वाले साधन (रजाई , बिस्तर) भी प्रभावहीन • अपनी तुलना चकई और कोयल से करना • अपने अकेलेपन की जोड़े से अलग हुए पक्षी से तुलना। विषेष : (कोई दो) • दोहा–चौपाई छंद • ठेठ अवधी भाषा • अनुप्रास, उपमा, उत्प्रेक्षा अलंकार • विरह का अतिषयोक्तिपूर्ण वर्णन	6
8	8. क.	–	–	**किन्ही दो प्रष्नों के उत्तरः–** • बनारस में श्रद्धालुओं की भीड़ का उमड़ना • दान में मिले सिक्कों से भिखारियों के कटोरों का भरना	2+2=4 2
	ख			• प्रेम, स्नेह तथा क्षमाषीलता का गुण • धीर–गंभीर तथा सहयोग की भावना	2

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
	ग.			• सोच–विचार कर लिखा गया प्रेम पत्र • प्रेमिका की सुंदरता तथा उसके चरित्र का वर्णन • अज्ञानी की तरह बिना पढ़े–देखे फ़ाड़कर फेंक दिया।	1+1
	घ.			• स्वतंत्रता के बाद कवि ने अनेक लोगों को रातोंरात भ्रष्टाचार तथा बेइमानी से संपन्न होते देखा है। • सामने खड़ा व्यक्ति याचक है, अतः ईमानदार है, उसने बेइमानी नहीं की। • स्वतंत्र भारत की परिस्थितियों एवं सामाजिक विसंगतियों पर व्यंग्य • मानवीय मूल्यों में आई गिरावट पर व्यंग्य। (किन्ही दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1
		8 क		• असमय पत्नी की मृत्यु • साहित्य जगत में असफलता • आर्थिक–विपन्नता • संघर्षमय जीवन	2
		ख		• आषा ही विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की षक्ति देती है। • भविष्य की आषा में वर्तमान को त्याग देना।	2
		ग		• चालाक, बेईमान, भ्रष्टाचारी, मूल्यहीन • क्योंकि वह ईमानदार है।	2
		घ.		• विरहिणी नायिका अत्यंत दुखी एवं कातर • दुख के कारण लगातार अश्रु–प्रवाह • विरह में क्षण–क्षण क्षीण होना • सुख देने वाली वस्तुओं से दुख पहुँचना।	2
	–		8. क	• मनुष्य का प्रकृति से दूर होना • जीवन की भाग दौड़ में प्राकृतिक सौंदर्य को न देख	2

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
				पाना • आधुनिक नीरस जीवन षैली	
			ख.	• दिन–रात प्रियतम के विरह में रोना • कमज़ोर हो जाने से उठने–बैठने में भी समस्या	2
			ग.	• प्राकृतिक सुंदरता • भौगोलिक सौंदर्य • सांस्कृतिक सौंदर्य	2
			घ.	• कवि अपने पिछले कर्मों को अपनी पुत्री दिवंगता सरोज आत्मा की तृप्ति के लिए अर्पण(तर्पण) करता है	2
9.	9.	9.	9.	**किन्हीं दो काव्यांषों का काव्य सौंदर्य अपेक्षित** भाव–पक्ष 1 कला–पक्ष 2	3+3=6
	क	क	क	**<u>भाव पक्ष</u>** • बनारस की बनावट, स्थानीय लोगों की आस्था तथा परंपराओं के निर्वाह का दृष्य • बनारस षहर के साथ जुड़ी मिथकीय आस्था और मोक्ष की अवधारणा। **<u>कला–पक्ष</u>** • बनारस षहर की दार्षनिक व्याख्या • खड़ी बोली, भाषा में विविधता(तत्सम, उर्दू आदि षब्दों) का प्रयोग • छंदमुक्त काव्य • लयात्मकता, प्रतीकात्मकता, बिंब प्रयोग	
	ख	ख.	ख	**<u>भाव पक्ष</u>** • वसंत के आने की सूचना प्रकृति के विभिन्न अंगों में	

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
	ग	ग	ग	हो रहे परिवर्तनों से मिलती है • लाल बजरी वाली सड़क पर चलते हुए गिरे हुए पत्ते पर पाँव पड़ने से चुरमुराने की ध्वनि। **कला–पक्ष** • खड़ी–बोली, आम बोल चाल की भाषा • पुनरुक्ति–प्रकाष, उपमा, उत्प्रेक्षा अनुप्रास अलंकार, मानवीकरण अलंकार • चित्रात्मक षैली, लयात्मकता • छंदमुक्त काव्य • नवीन उपमान **भाव–पक्ष** • राम के वनगमन से आहत माता कौषल्या की मनोदषा का चित्रण • पुत्र के वनगमन का बोध होते ही माता कौषल्या का चित्रवत हो जाना। • तुलसीदास जी कहते हैं कि चित्रवत कौषल्या की स्थिति उस समय प्रेम में डूबी हुई मोरनी की तरह हो जाती है।	
	घ.	घ.	घ.	**कला पक्ष** • ब्रज भाषा • वात्सल्य–रस का वियोग पक्ष • अनुप्रास, उपमा • पद • गेयता का गुण **भाव पक्ष** • कवि द्वारा पुत्री सरोज के सौंदर्य का वर्णन • विवाह के अवसर पर आँखें नींची कर, लज्जावष स्थिर रहने से सौंदर्य का प्रकाष फैल रहा था • वधू रूप में सुसज्जित पुत्री में पत्नी के रूप–सौंदर्य की आभा।	

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
10	10	10.	10	कला–पक्ष • तत्सम प्रधान, खड़ी बोली • अनुप्रास, पुनरुक्ति प्रकाष, रूपक अलंकार • मुक्त छंद • लयात्मकता का गुण **गद्यांष की सप्रसंग व्याख्या** • संदर्भ और प्रसंग – 1 • व्याख्या बिंदु – 3 • विषेष – 1 उसके चित्र के .....क्षितिज पर लगी हुई। पाठ–यथास्मै रोचते विष्वम् लेखक–राम विलास षर्मा प्रसंग– साहित्य में यथार्थवाद के साथ आदर्षवाद का पुट व्याख्या बिंदु : • साहित्य, समाज का दर्पण • साहित्य में समाज के यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में आदर्ष की प्रस्तुति • कवि प्रजापति की भूमिका में • संसार को बदलने की इच्छा • साहित्य में सुख और दुख के प्रसंगों की तुलना चित्र के चमकीले ओर काले रंगों से गई है। विषेषः (कोई दो बिंदु) • साहित्कार की तुलना प्रजापति से की गई है। • व्यंजना षब्दषक्ति • विचार–प्रधानता • प्रवाहमयी भाषा **अथवा** व्यक्ति की 'आत्मा' .....बना देता हैं	5 5

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
11.	11. क.			पाठ–कुटज लेखक–हज़ारीप्रसाद द्विवेदी प्रसंग–स्वार्थ भावना से ऊपर उठकर सोचने की प्रेरणा। व्याख्या–बिंदु • जीवन जीने का उद्देष्य स्पष्ट करना • आत्मा का संबंध व्यक्ति तक सीमित नहीं बल्कि व्यापक है। • सामाजिक उन्नति से ही सुख–आनंद की प्राप्ति • अपनी सामर्थ्य को समाज के प्रति समर्पित करना। • तृष्णा और मोह से मुक्त होना। विषेषः • तत्सम–प्रधान भाषा • भाषा सरल एवं प्रांजल • भारतीय संस्कृति एवं प्रगतिषील मूल्यों का समन्वय • प्रतीकात्मकता **किन्हीं दो प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित** • एकाकी तथा अभावग्रस्त जीवन जीते हुए, त्रस्त होकर। • कमज़ोर आर्थिक स्थिति • गाँव की बहुरिया, गाँव की लक्ष्मी होने का भाव • बड़ी बहुरिया का जाना पूरे गाँव का अपमान।	3+3=6 3
	ख			• बुढ़िया को पैसे का लालच दिखाकर। • लेखक द्वारा दो रुपए देना। • बुढ़िया के लिए अनुपयोगी बताना	3
	ग			• सुखमय जीवन की आषा • आजीविका पाने का लोभ (विद्यार्थियों द्वारा की गई विषय से संबंधित टिप्पणी	3

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
	घ	11. क		स्वीकार्य) • अंधविष्वास में पड़ना अनुचित (इस आलोक में विद्यार्थियों के तर्कसंगत मुक्तउत्तर स्वीकार्य) • मुहल्ले में रहने वाले उर्दू ज़बान के वकालत से जुड़े लोगों ने • लेखक की मित्र–मंडली षुद्ध साहित्यक भाषा का प्रयोग आम बातचीत में करती। • मित्रमंडली द्वारा 'निस्संदेह' षब्द का प्रायः प्रयोग। • उर्दू सुनने के अभ्यस्त उनके कानों को यह भाषा अनोखी लगती।	3 3
		ख.		• पुरातत्व संबंधी सामग्री का संकलन • अथक परिश्रम द्वारा संग्रहालय हेतु सामाग्री एकत्रित करना • इलाहाबाद में संग्रहालय का निर्माण करवाना	3
		ग.		• पर्याप्त राषि न होने के कारण। • संकोचवष बड़ी बहुरिया के मायके से राह–खर्च न लेना • बड़ी बहुरिया के भूखे होने का बोध • बड़ी बहुरिया तक जल्दी पहुँचना	3
		घ.		• मुक्त उत्तर • उपयुक्त तर्क के आधार पर मूल्यांकन	3
			11 क.	• संदेष–बथुआ–साग खाकर, अकेली कब तक जीऊँ और किसके लिए। • माँ से कहना, भाई–भाभियों की नौकरी करके पेट पाल लूँगी, बच्चों का जूठन खाकर कोने में पड़ी	

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
				रहुँगी। ● यदि माँ उसे लेने नहीं गईं तो किसी दिन गले में घड़ा बाँधकर पोखरे में डूब जाएगी ..... आदि ● गाँव छोड़कर बड़ी बहुरिया के चले जाने का भय ● बड़ी बहुरिया को लक्ष्मी मानना	3
			ख	● 'षेर' प्रतीकात्मक तथा व्यंग्यात्मक लघुकथा ● 'षेर' व्यवस्था का प्रतीक ● षासक/सत्ता तभी तक खामोष जब तक उसकी आज्ञा का पालन हो ● विरोध में उठे स्वर को कुचल देना	3
			ग.	● 'दूसरा देवदास' नायक का नाम 'संभव' ● नायिका का नाम 'पारो' ● प्रथम–दृष्टि में प्रेम का अंकुरण ● 'पारो' से प्रेम के कारण ● विद्यार्थियों के उचित विचार स्वीकार्यष	3
			घ.	● षिक्षा ग्रहण करने की सही उम्र पर विचार ● षिक्षा का मूल उद्देष्य व्यक्ति के मानस का विकास ● षिक्षा प्रणाली तथा षिक्षकों की मानसिकता पर व्यंग्य ● षिक्षा रटंत न होकर रुचिकर हो (विद्यार्थियों के अन्य तर्कसंगत विचार भी स्वीकार्य)	3
12	12.	12	12	**किसी एक साहित्यकार का परिचय** ● संक्षिप्त जीवन–परिचय –2 ● रचनाएँ (कोई दो) –1 ● काव्यगत विषेषताएँ/भाषागत विषेषताएँ–2 **<u>सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'</u>** ● बंगाल के मेदिनीपुर जिले के महिषादल गाँव में जन्म	5

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
				• पैतृक गाँव उत्तर प्रदेष के उन्नाव जिले से 'गढ़कोला' • बचपन का नाम 'सूर्यकुमार' • विधिवत् स्कूली षिक्षा नवीं तक • पत्नी की प्रेरणा से साहित्य में रुचि • जीवनभर पारिवारिक और आर्थिक कष्ट रचनाएँ :– • परिमल, गीतिका, अनामिका, तुलसीदास, कुकुरमुत्ता, अणिमा , अर्चना, राम की षक्ति पूजा, भिक्षुक आदि (अन्य रचनाएँ) काव्यगत विषेषताएँ :– • काव्य भाषा के विविध स्तर • राम की षक्ति पूजा, तुलसीदास जैसी रचनाएँ तत्सम प्रधान • 'भिक्षुक' जैसी कविताओं में आम बोलचाल की भाषा • भाषा में कसाव,षब्दों की मितव्ययिता, अर्थ की प्रधानता • भावों और विचारों की विविधता,व्यापकता, गहराई • मुक्त छंद, स्वछंदतावादी काव्यधारा अथवा **<u>घनानंद</u>** • जन्म स्थान तथा माता–पिता के नाम अज्ञात • आरंभिकजीवन– दिल्ली तथा वृंदावन में बादषाह मुहम्मद षाह के दरबार में मीर–मुंषी • दरबार की 'सुजान' नामक नर्तकी पर आसक्त • सुजान से प्रेम करने के कारण धनानंद दरबार में बे–अदबी कर बैठे, जिससे देष–निकाला • सुजान की बेवफाई से निराष और दुखी होकर निम्बार्क संप्रदाय में दीक्षित होकर जीवन निर्वाह <u>रचनाएँ</u> :– सुजानसागर, विरह लीला, सुजानहित, कृपाकंड निबंध	5

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
	अथवा	अथवा	अथवा	रसकेलिवल्ली आदि (दो का उल्लेख अपेक्षित) काव्यगत विषेषताएँ ● परिष्कृत एवं साहित्यक ब्रज भाषा ● भाषा में व्यंजना, मधुरता तथा कोमलता ● सृजनात्मक काव्य भाषा ● प्रेम की उदात्तता **<u>निर्मल वर्मा</u>** ● इनका जन्म षिमला हिमाचल प्रदेष में ● दिल्ली विष्वविद्यालय के सेन्ट स्टीफेंस कॉलेज से इतिहास में एम.ए. ● स्टीफेंस कॉलेज में अध्यापन कार्य ● चेकोस्लोवाकिया के प्राच्य–विद्या संस्थान प्राग में चेक उपन्यासों, कहानियों का हिन्दी अनुवाद ● टाइम्स ऑफ इंडिया तथा हिन्दुस्तान टाइम्स के लिए यूरोप की सांस्कृतिक एवं राजनीतिक समस्याओं पर लेख तथा रिपोर्ताज़ <u>रचनाएँ</u> :– ● परिंदे, जलती झाड़ी, तीन एकांत बीच बहस में आदि कहानियाँ ● वे दिन, लाल टीन की छत एक चिथड़ा सुख तथा अंतिम–अरण्य आदि (उपन्यास) ● चीड़ों पर चाँदनी, धुँध से उठती धुन (यात्रा वृतांत) <u>साहित्यिक एवं भाषागत–विषेषताएँ</u> ● भाषा षैली में अनोखी कसावट ● विचार सूत्र की गहनता ● विविध उदाहरणों से विषय का विस्तार ● वाक्य रचना में मिश्र और संयुक्त वाक्यों की प्रधानता ● उर्दू और अंगेज़ी षब्दों का स्वाभाविक प्रयोग	5

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
				अथवा **<u>ममता कालिया</u>** संक्षिप्त जीवन–परिचय • इनका जन्म मथुरा, उत्तर प्रदेष • दिल्ली विष्वविद्यालय से अंग्रेज़ी में एम.ए. • दिल्ली विष्वविद्यालय के दौलतराम कॉलेज में एवं बाद में अन्य विष्वविद्यालयों में अध्यापन कार्य • अन्य विष्वविद्यालयों में अध्यापन कार्य • भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता में निदेषक रचनाएँ :– • 'बेघर' , 'नरक दर नरक' 'एक पत्नी के नोट्स', 'प्रेम कहानी', 'लड़कियाँ' आदि उपन्यास • 'पच्चीस, साल की लड़की, 'थियेटर, 'रोड के कौवे' आदि कहानियाँ साहित्यिक एवं भाषागत विषेषताएँः– • विषय के अनुरूप भाषा • सहज भावाभिव्यक्ति • व्यंग्य की सटीकता • साधारण षब्दों का असाधारण प्रयोग	5 5
	13	13	13	• रुपए छिपाकर रखने के कारण • अंधे भिखारी के पास इतना अधिक धन होना • रुपयों की थैली से भविष्य का संबंध • लोगों द्वारा संदेह का डर • समाज के समक्ष असलियत उजागर होने का भय अथवा • नव–निर्माण में विष्वास • संघर्ष की भावना	4 4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
14.	क	–	–	• साहस • परिश्रम • धैर्य • आषावादी दृष्टिकोण • जीवन के प्रति खेल का दृष्टिकोण **दो प्रष्नों के उत्तर अपेक्षित** • भूपसिंह का संघर्षमय जीवन • भूस्खलन में खेत, घर और माता–पिता खो देना • छोटे भाई द्वारा साथ छोड़ जाना • पत्नी षैली की असमय मृत्यु • सामाजिक, आर्थिक तथा भावनात्मक संघर्ष	$4^{\times}2^{=}8$ 4
	ख.	–	–	• 'कुमुद' के फूल को • गाँव के तालाबों में • गड्ढों में सुलभता से उगना • उगने के लिए किसी विषेष स्थान या जलवायु की आवष्यकता न होना • चाँदनी रात में खिलना तथा उसका सौंदर्य	4
	ग.			• वर्षा जल संवर्धन • तालाब, बावड़ी, कुएँ आदि का निर्माण • कल–कारखानों से निकलने वाले रासायनिक अपषिष्ट (नदियों में) डालकर • पूजा–पाठ के नाम पर नदियों में मूर्ति–विसर्जन तथा पूजन–सामग्री का प्रवाह (विद्यार्थियों द्वारा दिए उपयुक्त कारण भी स्वीकार्य)	4
	घ			• भूस्खलन में घर, खेत, पषुओं की क्षति • नए सिरे से जीवन–प्रारंभ • खेती के लिए भूमि तैयार करना	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 3 / 1	29 / 3 / 2	29 / 3 / 3		
		14 क		• बर्फ हटाकर नए रास्तों का निर्माण • पहाड़ की चोटी पर अकेले जाकर बसना • झरनों का रुख खेत की ओर मोड़ना	4
				• पहाड़, पत्थरों और पेड़ों के सहारें चढ़ पाना • षेखर और रूपसिंह द्वारा नहीं चढ़ पाना • भूप द्वारा उनके तकनीकी ज्ञान पर व्यंग्य करते हुए उनकी सहायता के लिए नीचे आना • कमर में मफ़लर बाँधकर, दोनों छोरों के सहारे रूप का ऊपर चढ़ पाना • पुनः नीचे उतरकर षेखर को पहाड़ पर चढ़ाना	4
		ख		• बिस्कोहर की एक स्त्री जो बिसनाथ से उम्र में बड़ी थी • उसके रूप–सौंदर्य के प्रति लेखक का आकर्षण • स्त्री की तुलना जूही की लता, उसकी खुषबू तथा सौंदर्य • प्रकृति और नारी सौंदर्य का एकाकार होना	4
		ग.		• मालवा में पहले जैसी वर्षा का न होना • प्रदूषण का बढ़ना • औद्योगिक उन्नति तथा वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के कारण पर्यावरण का नष्ट होना • बेतहाषा अपषिष्ट / कचरा बढ़ना • मौसम प्रभावित होना	4
		घ		• भूपसिंह का पुत्र • माँ की मृत्यु का कारण पिता को मानना • दुखी होकर घर त्याग देना • पिता से नाराज़ • घर लौटना नहीं चाहता	4

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
			14 क	• अपने बारे में बताने पर चाचा रूपसिंह द्वारा जबरदस्ती घर ले जाने का डर • पर्वतीय जीवन पीड़ाओं, संघर्षों और कठिनाइयों से भरा • वातावरण सुंदर–सौम्य लेकिन जीवन–जटिल • टेढ़े–मेढ़े पथरीले रास्ते • भू–स्खलन से प्रभावित जीवन • अपनी प्राथमिक आवष्यकताओं (रोटी, कपड़ा और मकान) में आत्मनिर्भरता (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	4
			ख	• विकास के नाम पर प्रकृति का दोहन • नदियों तालाबों का लगातार प्रदूषित होना • हरी–भरी मालवा की धरती का विकास के कारण उजाड़ हो जाना • औद्योगिक विकास के कारण वातावरण का गर्म होना • मौसम का असहज होना • रोग तथा गंभीर समस्याओं का उत्पन्न होना	4
			ग	• विष्वनाथ को अपना गाँव सबसे प्रिय • बचपन की सारी मधुर स्मृतियाँ बिस्कोहर की माटी से जुड़ी हुई • ष्षैषव काल में माँ के साथ गुज़ारे गए सुखद क्षणों की स्मृति • पहले प्यार की सुखद स्मृतियों के कारण • प्रेम और भावुक संवेदना की जीवंत स्मृतियाँ	4
			घ.	• भूपसिंह द्वारा व्यावहारिक जीवन में बिना उपकरण पर्वत पर चढ़ना • ष्षेखर और रूपसिंह द्वारा सैद्धांतिक ज्ञान के सहारे पर्वत पर चढ़ना • भूपसिंह दिन में हिमांग पर चढ़ता–उतरता रहता	4

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		
				• हिमांग पर चढ़ने में षेखर ओर रूपसिंह असफल • भूपसिंह द्वारा मफ़लर के सहारे षेखर ओर रूपसिंह को पहाड़ पर चढ़ाना	

प्रश्न सं.	प्रष्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/3/1	29/3/2	29/3/3		